- समुद्री अलंकारी मछलियों की एक दर्जन प्रजातियों (क्लाउन फिश, डामसेल और डोटी बैक्स) के प्रजनन तथा संतति उत्पादन की प्रौद्योगिकियाँ विकसित की गयीं।
- भारतीय तट के विभिन्न भागों में लागत अनुकूल समुद्री पिंजरों की रूपकल्पना एवं निर्माण और सहकारी प्रदर्शन।
- मन्नार खाड़ी के समुद्र तटीय ओलिगोकीटे *पोन्टोड्रिलस बेर्मुडेन्सिस* में सक्रिय घटक के रूप में आर्कियोडोनिक अम्ल की पहचान और पेनिआइड झींगों में तेज़ प्रौढ़ता और अंडजनन में उत्प्रेरक अंडशावक खाद्य के लिए इसके संवर्धन के नयाचार का विकास।
- भारत में समुद्री मात्स्यिकी की 'कुल उत्पादकता घटक' का आकलन।

अनुसंधान के उभरते हुए महत्वपूर्ण क्षेत्र

- गुजरात, कर्नाटक और तमिल नाडु राज्यों में समुद्री मात्स्यिकी प्रबंधन हेतु समुद्री मात्स्यिकी प्रबंधन सलाहकार।
- समुद्री संवर्धन के अंतर्गत, कोबिया, सिल्वर पोम्पानो, ग्रूपर और इंडियन पोम्पानो मछलियों के वर्धित संतति उत्पादन के उद्देश्य से उच्च सांद्रता में डिंभक पालन (लार्वीकल्चर) कराते वक्त अतिजीवितता बढ़ाए जाने के लिए बेहत्तर नयाचार।
- समुद्री पखमछली स्फुटनशाला (हैचरी) में उपयोग करने हेतु कलनोइड कोपीपोड *टेमोरा टर्बिनेरिया* और इसके नोप्ली के बड़े पैमाने में पालन की प्रौद्योगिकी का विकास।
- समुद्री मुक्ता शुक्तियों से बिम्ब मोती उत्पादन के लिए बिम्ब मोती केन्द्रक के उत्पादन की नयी प्रौद्योगिकी।

- समुद्री जैवप्रौद्योगिकी के अंतर्गत, अंडशावक (ब्रूडस्टॉक), डिंभक (लार्वे) और पालन की गयी पखमछलियों में बीटा नोडा वाइरस के रोग ग्रसन की द्रुत पहचान के लिए डी एन ए पर आधारित विशेष, संवेदनशील और लागत-प्रभावी निदान किट (आर टी-लैंप) का विकास।
- मात्स्यिकी पर्यावरण प्रबंधन के अंतर्गत, समुद्री कचरों से तटीय आवास तंत्र को धमकी।
- जलवायु प्रदूषण के प्रति भारतीय समुद्री मात्स्यिकी के प्रभाव अनुकूलन और शमन के उपाय।
- समुद्री संवर्धन (मैरीकल्चर) के लिए प्राथमिकता प्रजातियों के अंडशावक विकास, प्रजनन और संतति उत्पादन की प्रौद्योगिकियाँ।
- जी आइ एस और सामाजिक संचालन के आधार पर भारतीय तट पर समुद्री पिंजरा मछली पालन के लिए स्थान चयन।
- मात्स्यिकी प्रबंधन के लिए परिचालन पर आधारित कार्यनीतियों के सुझाव हेतु भारतीय तट की पख मछलियों एवं कवच मछलियों के वितरण तथा प्रचुरता पर जी आइ एस पर आधारित संपदा मानचित्रण।
- देश के लिए मछली बाजार ग्रिड का विकास।
- आवास तंत्र पर आधारित उत्तरदायित्वपूर्ण मात्स्यिकी प्रबंधन में क्षमता विकास के लिए संसूचना तकनीकों का विकास।
- समुद्री मात्स्यिकी सेक्टर में जेन्डर मुख्य धारा और स्वयं सहायक समितियों का प्रभाव।

परामर्श सेवाएं

मात्स्यिकी प्रबंधन, मछली समुच्चयन उपायों (एफ ए डी), वर्गीकरण, जैवविविधता, मछली प्रभव निर्धारण, हैचरी के नयाचार, तटीय जलजीव पालन, समुद्री संवर्धन प्रौद्योगिकी, मछली पौष्टिकता, मछली स्वास्थ्य प्रबंधन, प्रतिरूपण एवं सोफ्टवेयर विकास, स्कूबा डाइविंग, पर्यावरण की निगरानी, साध्यता अध्ययन, प्रभाव विश्लेषण आदि विशेष क्षेत्रों में व्यापक तौर पर भा कृ अनु प के मार्ग निर्देशों के आधार पर परामर्श सेवाएं उपलब्ध हैं।

आगे बढ़ने की (आउटरीच) गतिविधियाँ

मुख्यालय में स्थित कृषि प्रौद्योगिकी सूचना केन्द्र संस्थान की प्रौद्योगिकियों और सेवाओं के प्रचार के लिए एकल खिड़की वितरण प्रणाली (सिंगल विन्डो डेलिवरी सिस्टम) की भूमिका निभाती है और मछली पालनकारों, मछुआरों, उद्यमियों और संस्थान के वैज्ञानिकों के बीच आपसी संबंधन के घटक के रूप में काम कर रहा है। ए टी आइ सी द्वारा देश के विभिन्न भागों में किसान मेलों, प्रदर्शनियों और विस्तार कार्यविधियों का आयोजन किया जा रहा है और इन अवसरों में की गयी बिक्री और सेवाओं से अभी तक 35 लाख रुपए के राजस्व का उत्पादन किया गया है। संस्थान के समुद्री जलजीवशाला और संग्रहालय प्रति वर्ष हजारों लोगों के आकर्षण केन्द्र हैं।

विस्तृत सूचना के लिए कृपया संपर्क करें: **निदेशक,**

भा कृ अनु प-केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान (सी एम एफ आर आइ)
पी.बी.सं: 1603, एरणाकुलम नोर्थ पी.ओ., कोच्ची - 682018, केरल, भारत
दूरभाष: 0484 2394867, 2391407, फैक्स 0484 2394909
ई-मेल: director@cmfri.org.in वेबसाइट: www.cmfri.org.in

सी एम एफ आर आइ संगठन व्यवस्था

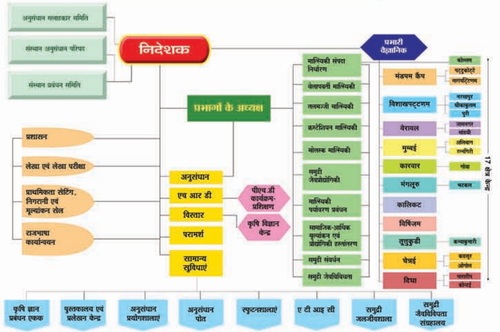

मुख्यालय - कोचीन
पोस्ट बोक्स 1603, एर्णाकुलम नोर्त पी ओ
कोचीन - 682018, केरल
दूरभाष: 0484 2394867, 2394357, 2394750
फैक्स : 0484 2394909
ई-मेल : director@cmfri.org.in

क्षेत्रीय केंद्र - मंडपम
मराइन फिशरीस पी ओ
मंडपम कैंप - 623520
दूरभाष : 04573 241433, 241456
फैक्स : 04573 241502
ई-मेल : mandapam@cmfri.org.in

क्षेत्रीय केंद्र - विशाखपट्टणम
पांडुरंगपुरम, ओशियन व्यू लेआउट,
विशाखपट्टणम - 530003, आंध्र प्रदेश
दूरभाष : 0891 2543797, 2543793
फैक्स : 0891-2500385
ई-मेल : vizag@cmfri.org.in

क्षेत्रीय केंद्र - वेरावल
मत्स्य भवन, भिडिया
वेरावल - 362269, गुजरात
दूरभाष : 02876-232649
फैक्स : 02876-231865
ई-मेल : veraval@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - मुंबई
द्वितीय तल, सी आइ एफ ई (पुराना कैंपस)
फिशरीस यूनिवर्सिटी रोड,वेरसोवा,
मुंबई - 400 061,महाराष्ट्र
दूरभाष : 022-26392975/26393029
फैक्स : 022-26320824
ई-मेल : mumbai@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - कारवार
पी.बी. सं. 5, कारवार - 581301
नोर्त कनरा, कर्नाटक
दूरभाष : 08382-222639
फैक्स : 08382-221371
ई-मेल : karwar@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - मांगलूर
पी.बी. सं. 244, बोलार,
मांगलूर - 575001, कर्नाटक
दूरभाष : 0824 2424152
फैक्स : 0824 2424061
ई-मेल : mangalore@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - कालिकट
वेस्ट हिल पी ओ,
कालिकट - 673005
दूरभाष : 0495-2382033, 2382011
ई-मेल : calicut@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - विषिंजम
पी.बी. सं. 9, विषिंजम पी ओ,
तिरुवनंतपुरम - 695521, केरल
दूरभाष : 0471-2480224
फैक्स : 0471-2480324
ई-मेल : trivandrum@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - टूटिकोरिन
साउथ बीछ रोड (रोचे पार्क के पास)
टूटिकोरिन - 628001, तमिलनाडु
दूरभाष : 0461-2320274, 2320102
फैक्स : 0461-2322274
ई-मेल : tuticorin@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - चेन्नई
75, सान्तोम हाइ रोड, राजा अणामलैपुरम,
चेन्नई - 600028, तमिलनाडु
दूरभाष : 044-24617264/24617317
फैक्स : 044-24617290
ई-मेल : chennai@cmfri.org.in

अनुसंधान केंद्र - दिघा
दिघा, ईस्ट मिड्नापोर
पश्चिम बंगाल, पिन - 721463

प्रकाशन: डॉ.ए.गोपालकृष्णन
निदेशक, भा कृ अनु प - केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान, कोच्ची, केरल, भारत
तैयारी: डॉ.विपिनकुमार, डॉ.पी.विजयगोपाल, डॉ.आर.नारायणकुमार और डॉ.एन.के.सनिल, सी एम एफ आर आइ, कोच्ची
हिन्दी अनुवाद एवं संपादन: नवीन कुमार यादव और ई.के.उमा
चित्रण एवं परिकल्पना: पी.आर.अभिलाष
अगस्त 2017
सी एम एफ आर आइ पाम्फलेट सं. 44/2017

सी एम एफ आर आइ की झलक

भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद
केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान
(कृषि अनुसंधान एवं शिक्षा विभाग, भारत सरकार)
पोस्ट बोक्स सं. 1603, एरणाकुलम नोर्थ पी.ओ., कोच्ची- 682 018, केरल, भारत
वेबसाइट: www.cmfri.org.in

सी एम एफ आर आइ .....

वर्ष 1947 में स्थापित केन्द्रीय समुद्री मात्स्यिकी अनुसंधान संस्थान देश में मात्स्यिकी साधन, पारिस्थितिकी तंत्र और आजीविका टिकाऊपन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से समुद्री मात्स्यिकी के क्षेत्र में अग्रणी अनुसंधान एवं विकास कार्यों में लगा हुआ हैं। वर्ष 1971 से लेकर संस्थान का मुख्यालय केरल के कोच्चि में है। वर्तमान में संस्थान के तीन क्षेत्रीय केन्द्र तमिल नाडु के मंडपम कैंप, आंध्रा प्रदेश के विशाखपट्टणम और गुजरात के वेरावल में स्थित हैं। अनुसंधान केन्द्र मुम्बई, कारवार, मांगलूर, कालिकट, विषिंजम, टूटिकोरिन, चेन्नई और दिघा में स्थित हैं। इनके अतिरिक्त सत्रह क्षेत्र केन्द्र देश के तटीय क्षेत्र में फैले हुए हैं।

हमारी दृष्टि (विशन)

प्रबंधन हस्तक्षेप द्वारा टिकाऊ समुद्री मात्स्यिकी और बेहत्तर तटीय आजीविका हेतु समुद्री संवर्धन द्वारा तटीय मछली का वर्धित उत्पादन।

हमारा लक्ष्य (मिशन)

समुद्री मात्स्यिकी में खुली पहुँच से विनियमित व्यवस्था तक परिवर्तन, समुद्री संवर्धन एवं समुद्री जीव पालन द्वारा तटीय मछली उत्पादन में बढ़ावा लाना और संकटपूर्ण समुद्री आवास तंत्रों की पुनःस्थापना के लिए सूचना पर आधारित प्रबंधन प्रणाली का विकास।

हमारे उद्देश्य

- समुद्री मात्स्यिकी संपदा निर्धारण
- समुद्री संवर्धन द्वारा उत्पादकता और उत्पादन में वृद्धि
- समुद्री जैवविविधता का परिरक्षण
- प्रौद्योगिकी हस्तांतरण, प्रशिक्षण एवं परामर्श

अनुसंधान प्रभाग

- मात्स्यिकी संपदा निर्धारण
- वेलापवर्ती मात्स्यिकी
- तलमज्जी मात्स्यिकी
- क्रस्टेशियन मात्स्यिकी
- मोलस्क मात्स्यिकी
- समुद्री जैवप्रौद्योगिकी
- समुद्री जैवविविधता
- समुद्री संवर्धन
- मात्स्यिकी पर्यावरण प्रबंधन
- सामाजिक-आर्थिक मूल्यांकन एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण

प्रमुख अनुसंधान उपलब्धियाँ

- 32 गृहांदर परियोजनाओं, 32 बाहरी वित्त पोषित परियोजनाओं और 10 परामर्श परियोजनाओं पर कार्य चालू हैं।
- देश में समुद्री मछली अवतरण का प्रजातिवार, गिअरवार, मत्स्यन क्षेत्रवार आकलन।
- मात्स्यिकी के पूर्वानुमान और भारत के अनन्य आर्थिक क्षेत्र से शक्य मछली प्राप्ति के आकलन के लिए प्रतिमान का विकास।
- 1511 अवतरण केन्द्रों से सूचना प्राप्त करने हेतु जी आइ एस पर आधारित संपदा मानचित्रण। जी आइ एस मानचित्रण, गिअरों के प्रकार और हर एक अवतरण केन्द्र में पकड़ी गयी प्रजातियों के आधार पर भारतीय तट के सभी अवतरण केन्द्रों की इन्वेन्ट्री।
- केरल, कर्नाटक, तमिल नाडु और आंध्रा प्रदेश की संपदाओं के वर्गीकरण के लिए वर्ष 1985-2013 की अवधि के समय श्रेणी आंकड़े के उपयोग से द्रुत स्टॉक निर्धारण।
- भारतीय तट की मात्स्यिकी संपदाओं के स्तर के आधार पर ज्ञान का विकास और समुद्रवर्ती राज्यों को प्रबंधन उपायों पर सुझाव दिए।
- प्रमुख पोताश्रयों (हार्बरों) की प्रमुख संपदाओं की अद्यतन मूल्य संरचना प्रदान करने के लिए 'फिश वॉच' की लॉंचिंग की गयी, समुद्री मछली अवतरण पर 50 वर्षों की समय श्रेणी आंकड़ा पर प्रकाश डालने वाला वेब पोर्टल।
- पॉलिमॉर्फिक माइक्रो सैटलाइट मार्कर और माइटोकोन्ड्रिअल डी एन ए मार्कर के उपयोग से तारली और वांगड़े की आनुवंशिक स्टॉक संरचना।
- हैलोफिलिक पादपप्लवक से अजैविक दबाव सह्यता जीनों पर पता लगाया गया।
- उचित प्रकार के डिंभक पालन के लिए सूक्ष्म शैवाल वसा अम्ल (फैटी एसिड) प्रोफाइल।
- महाचिंगटों के लिए बेहत्तर डिंभक खाद्य के रूप में मेड्यूसोइड जेली फिश की पहचान।

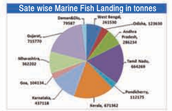

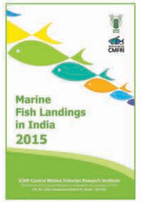

- ओस्टियोआर्थ्रटिस के निवारक के रूप में 'हरित शंबु एक्स्ट्रैक्ट' (GMe) और 'हरित शैवाल एक्स्ट्रैक्ट' (GAe) न्यूट्रास्यूटिकलों का वाणिज्यीकरण।
- समुद्री शैवालों से टाइप मधुमेह के निवारण के लिए विकसित न्यूट्रास्यूटिकल उत्पाद कडलमीन™ एन्टीडायबेटिक एक्स्ट्रैक्ट (ADe) का लोकार्पण।
- अलंकारी मछली खाद्य की श्रेणी 'वर्णा'।
- *स्यूडोमोनास अरुगिनोसा* से एन्टगोनिस्टिक विशेषता और उच्च प्रोटीन मात्रा होनो वाले हिमशीतित सूखा माइक्रोवियल उत्पाद (एम पी) का विकास।
- *स्यूडोमोनास* प्रजाति से एक प्रतिजैविक घटक का विलगन।
- तमिल नाडु के पाक उपसागर में एकीकृत बहुपोष्टिकता युक्त जलजीव पालन (आइ एम टी ए) का प्रारंभ।
- आंध्रा प्रदेश में सहभागिता आधार पर कोबिया और सिल्वर पोम्पानो के पालन का प्रचार।
- चुने गए समुद्री आवास स्थानों में समुद्री जीवों का जैव आविष्कार (बयोइन्वेन्टरी) और जैवविविधता मूल्यांकन।
- भारतीय तटों के बड़े येलोफिन टचूना की चाल एवं प्रवास पर अध्ययनार्थ पॉप-अप सैटलाइट टैग लगाए जाने में सफलता।
- जलवायु लचीला कृषि में राष्ट्रीय नवोन्मेष (एन आइ सी आर ए) के अंतर्गत समुद्री प्रग्रहण मात्स्यिकी एवं उम्मीदवार प्रजातियों पर जलवायु परिवर्तन का प्रभाव।
- केरल, तमिल नाडु, कर्नाटक, महाराष्ट्र और गुजरात में मछली अवतरण और मत्स्यन तरीकों के आर्थिक निष्पादन का मूल्यांकन।
- भारत में उत्तरदायित्वपूर्ण मात्स्यिकी प्रबंधन हेतु मात्स्यिकी शासन, आजीविका, जेन्डर एवं कल्याण, क्षमता विकास का मूल्यांकन।
- जी यु एल एल एस (स्थानीय समाधान के लिए वैश्विक अध्ययन): समुद्र पर निर्भर तटीय समदायों की अतिसंवेदनशीलता कम करना।
- जलवायु परिवर्तन पर अध्ययन करने और महासागर निगरानी के उद्देश्य से सिल्वर पोम्पानो और आर वी कडलमीन नामक दो नए मात्स्यिकी अनुसंधान पोत खरीदे गए।

- सी एम एफ आर आइ का कृषि विज्ञान केन्द्र, एरणाकुलम रसोई बगीचों में पारिवारिक सब्जी बगीचों की अवधारणा का प्रचार करने के अलावा पिंजरों, ग्रनाइट की खुदाई, पोक्काली चावल खेतों में मछली पालन को प्रोत्साहित करता है। अब तक मछुआरों / उद्यमियों / महिला स्वयं सहायक समितियों के हितार्थ 3000 से अधिक प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए।
- संस्थान मात्स्यिकी एवं समुद्री संवर्धन के विविध क्षेत्रों में नियमित प्रशिक्षण कार्यक्रमों का आयोजन करता रहता है। इससे 200 स्नातकोत्तर एवं 150 पीएच.डी छात्रों को उपाधियाँ प्राप्त करने में सहायता मिली।
- उत्तरपश्चिम तट, कर्नाटक और मन्नार खाड़ी आवास तंत्रों की पौष्टिकता संबंधी प्रतिमान विकसित किए गए और प्रबंधन सिमुलेशन किया गया।
- मछली पकड़ और आजीविका बढ़ाए जाने में कृत्रिम भित्तियों की भूमिका की निगरानी की गयी।
- कोल्लम के निकट अष्टमुडी सीपी मात्स्यिकी के इको-लेबलिंग के एम एस सी प्रमाणीकरण को सुगम बना दिया गया।
- वर्ष 2015 में अखिल भारतीय समुद्री मात्स्यिकी जनगणना की गयी।
- eprints@cmfri द्वारा अनुसंधान परिणामों को ऑनलाइन में उपलब्ध करा दिया।
- वर्ष 1800 से लेकर विरल प्रकाशनों के संग्रहण के लिए नया डिजिटल संग्रह Dspace@CMFRI विकसित किया गया।
- कोबिया (*राचिसेन्ट्रोन कनाडम*), पोम्पानो (*ट्रकिनोटस ब्लोची*, *टी.मूकाली*) और ग्रूपर (*एपिनिफेलस कोइओइडस*) मछलियों के अंडशावक विकास, प्रजनन और संतति उत्पादन के लिए प्रौद्योगिकी विकसित की गयी।